

नलोदय: — 26 पत्राणि
नैषधीयचरितम् - 562 "

[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible]

टीका

[illegible]

श्लोकः

[illegible]

[illegible]
[illegible]

श्लोकः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ८ ॥ [illegible] ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥ ९ ॥

[illegible]
[illegible] ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ९ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥ १० ॥

[illegible]
[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १५ ॥

श्लोकः

[illegible] ॥ १६ ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ १६ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] १७

[illegible] १७

टीका ॥

[illegible]

𑆯𑇀𑆬𑆺𑆑𑆂 ॥

[illegible] ॥ १० ॥

[illegible] ॥

𑆜𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible] ॥ १० ॥

𑆯𑇀𑆬𑆺𑆑𑆂 ॥

[illegible] ॥ १० ॥

[illegible] ॥ १० ॥

𑆜𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible] ॥ १० ॥

𑆯𑇀𑆬𑆺𑆑𑆂 ॥

[illegible] ॥ ११ ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

𑆛𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑𑇑 ॥

𑆯𑇀𑆭𑆷𑆑𑆂 ॥

[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑𑇒 ॥

[illegible]
[illegible] ॥

𑆛𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑𑇒 ॥

𑆯𑇀𑆭𑆷𑆑𑆂 ॥

[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑𑇓 ॥
[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]

𑆛𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ १८ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥ १५ ॥

[illegible]
[illegible] ॥ १५

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १५ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥ १७ ॥

[illegible]
[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १७ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥ १७ ॥

[illegible] ॥

[illegible]
[illegible]

𑆛𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆯𑇀𑆬𑆺𑆑𑆂 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆛𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆯𑇀𑆬𑆺𑆑𑆂 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆛𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]

इति [illegible] नलं [illegible] ॥ [illegible] : [illegible] :
[illegible] : [illegible] : [illegible] [illegible] :
[illegible] : [illegible] श्रीभगवान् इति नलेन [illegible]
[illegible]
न [illegible] : [illegible] ॥ ३७ ॥

श्लोकः ॥

त्रिभुवनभवनालीक[illegible] भवनालीकन्या
[illegible] : भवनालीक[illegible] भवनालीकन्या ॥ ३८ ॥

त्रिभुवनभवनालीकन्या [illegible] भवनालीकन्या
[illegible] : भवनालीकन्या [illegible] : [illegible] नालीकन्या ॥

टीका ॥

त्रिभुवनं [illegible] नाली [illegible] नाली [illegible] : कन्या [illegible]
[illegible] : कन्या [illegible]
[illegible] त्रिभुवनभवनालीकन्या [illegible] :
ना नालीका [illegible] भवना
लीकन्या [illegible] नालीका
नि [illegible] भवनालीकन्या [illegible]
[illegible] : ॥ ३८ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] कला [illegible] : कला [illegible]
[illegible] कला [illegible] नलं [illegible] : कला [illegible] ॥ ३९ ॥

[illegible] कला [illegible] : [illegible] : कला [illegible] ।
[illegible] कला [illegible] नलं [illegible] : कला [illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] : [illegible] नलं [illegible] कला [illegible]
किं [illegible] : [illegible] नलस्य [illegible] :
[illegible] :
[illegible]
[illegible] : एवं [illegible] कला [illegible] :
[illegible] कला [illegible] :
[illegible]

ना०
स०
३

[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible] ॥ ३३ ॥

[illegible] ॥ ३३ ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ३३ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ३७ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥

𑆯𑇀𑆬𑆺𑆑𑆂 ॥

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥

𑆘𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]

𑆯𑇀𑆬𑆺𑆑𑆂 ॥

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥
[illegible] ॥

𑆘𑆵𑆑𑆳 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]

[illegible]

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂

[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑 ॥

[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑 ॥

𑆛𑆵𑆑𑆳

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑 ॥

𑆯𑇀𑆬𑆾𑆑𑆂 ॥

[illegible]
[illegible] ॥ 𑇒 ॥

[illegible]
[illegible] ॥

𑆛𑆵𑆑𑆳

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ 𑇒 ॥

𑆯𑇀𑆬𑆾𑆑𑆂 ॥

[illegible] ॥
[illegible] ॥ 𑇓 ॥

मालीनं
मधुलिपिउ कुसमालीनं केवलं कामिसानुकामिलिन्द्रा मालीनं मधुलिन्द्रा कुसमा मालीनाभा ॥
मिलनद्रा मालीनं इव नलिनी मधु मधुलिन्द्रा ॥

टीका ॥

मधुलिपीति मिलन्द्रा भद्रः केवलं किंवलीव नलिनी मधुर
पिउ मधुकृथिउवना विकासय मा शोभिता वना सुषमाननाभा
लीनं कमलं मसा इव मधुलिन्द्रा उमिउ कीदृशेन क
केवलं मालीनं मधुरां कामिसानुकामिलिन्द्रा कामि मानुषा
घा रुका उमालीनीउ उउन हीदिमा कुसुमकान्तिलिन्द्रा क
मं मधुमनुभावीत भवः कीदृशी नलिनी कुसमालीनं मधु
करभवनां कुसमध मिश्र लीनं सुखननगाभा कामिव मा
लीनमिव नलिनीतमभिव सहस्राधि भवधनधकरान कुसुम ल
लिन्द्रा कवति भवधनधकस्यापि शृणिना न हस्ता केवलिन्द्रा
उउ मिलनं कुसमानवतीउ रूपः नलिः मिश्रस मधुप्रेम उउ
तत्त्वेः ॥३॥ श्लोकः ॥

कुकुमधवमनवभकाकुत्र वसन्तुत्रवणप्रनवेधिउ मन्द्रवना
कमलकुउवस्त्रउपङ्कमलं कमलं नविलेकयिउं कमलभा ॥४॥
कुः सुवन्ध म भवभका कुत्र वना कुत्रवणप्रनवेमधिउरा मन्द्रवना ॥
कं मलकुउवउ गउपङ्कमलं कं घनं न विलेकयिउं कमलं ॥

टीका ॥

कुत्रवन्धेति उमा वसन्तकाले कुः पक्षिवी भवभकाकुत्रवना
भवभवनं कमवि अनेकत्र घेवनः मन्द्रभुना सुवन्ध कुत्र
कुत्रवन्धुनवेधि कुत्रवक कमेमि मन्द्रवना गउउ उमेधः
कमलं पङ्कं कालुल मलकुउवगु सुमेकयउ तवं कंधनधं
विलेकयिउ न मुलं सधिउ भवानेव वस्तुयिउं भमत्र कीदृ
मं कं गउपङ्कमलं गउः पङ्कं घेमलेयस्य उउ उकमभवलिउ

मिरउः ॥ ४ ॥ श्लोकः ॥

सुगुरुउ भद्विभानीउ भुवि विभवं भिगुरुउ भद्विभानीउः ।
सुगुरुउ भद्विभानीउ भुउवविभवंभिगुरुउभद्विभानीउः ॥५॥
सुगुरुउ भद्विभानीउः सुवि भविउः मनवाप्रभद्विभानीउः
कवनंभद्विभानीउः ...

भनु भानवनौकं नौकानभनाभिय
यनभिनभमानोन नौनावनभानभा ॥

भभानय भभानय भभानय भभानय
भभानय भभानय भभानय भभानय ॥

भद्रयमकं ॥

नकियगतवं ऊङ्कं कुहुं नमिं धरः कक संभुखिं उपभभमङ्कुं भक्कें कुलमभा ॥
नकियगतवं ऊङ्कं कुहुं नमिं धरः कक संभुखिं उपभभमङ्कुं भक्कें कुलमभा ॥

एकाक्षरः ॥

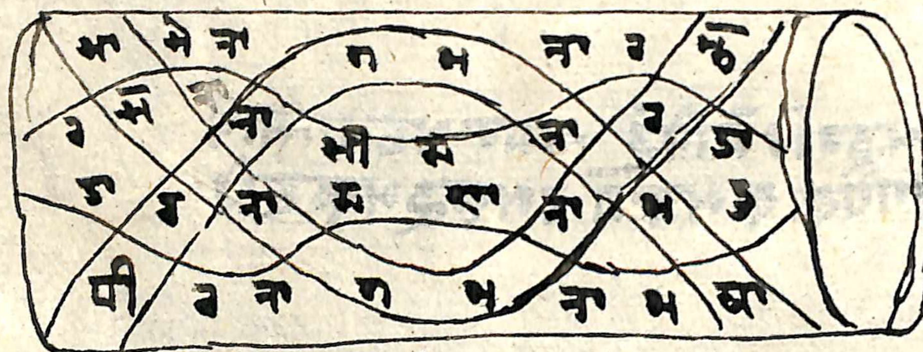
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]

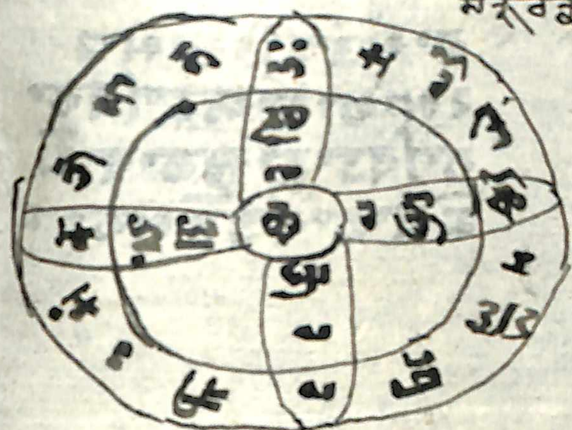
देवाकानिनिकाकामे वाकिकाश्वश्वकाकिवा
काकेः ठठेः काका निश्वठश्हठश्वनि ॥

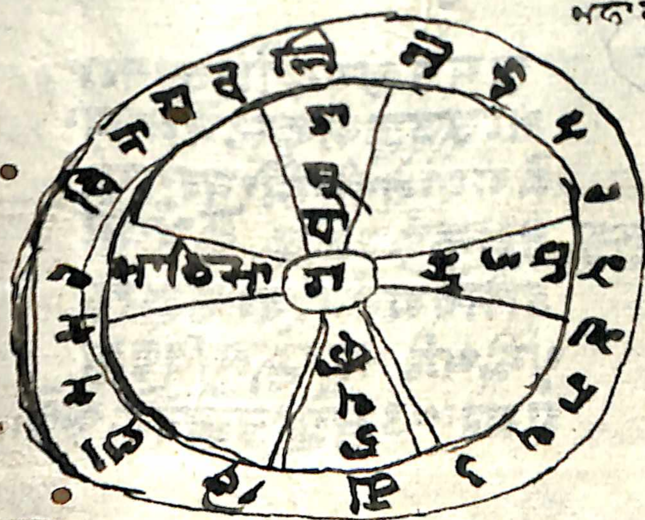
भकर नानाग कास काय भामम भायका
रभादवा वाद भाग नाम वादम वादना ॥

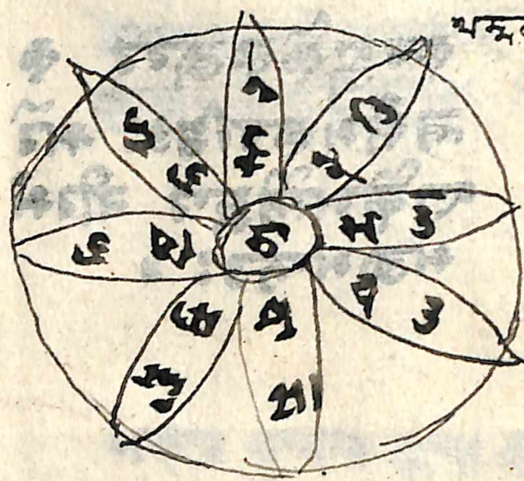


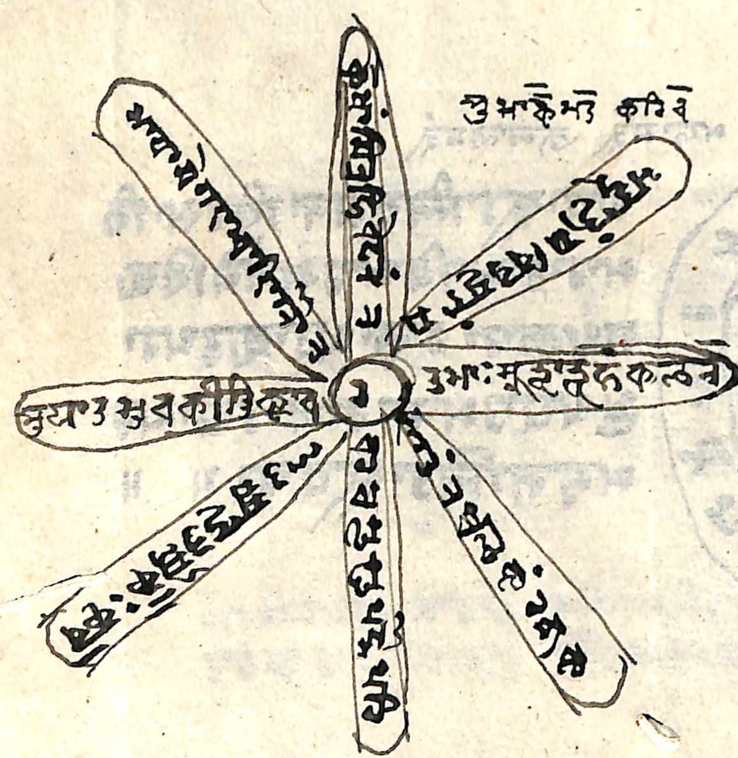
भगला बहुभा

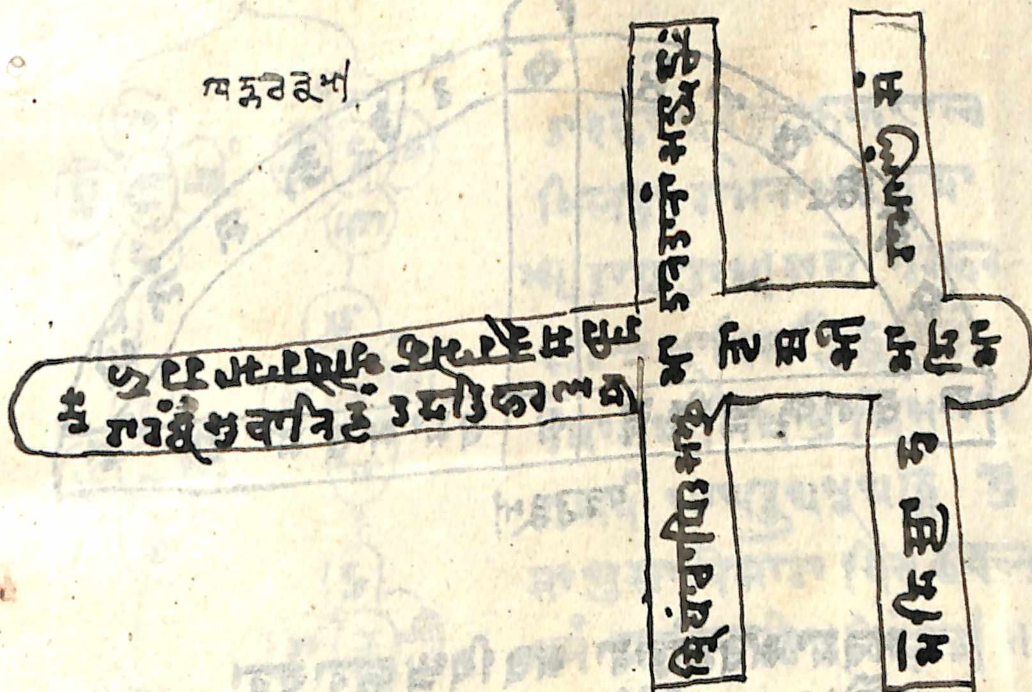
भा मेनागाभनागभ्ठ रमेकभीदना रउ
उगनागमलानाभउ पीरनागाभनाभपा

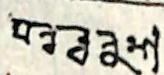


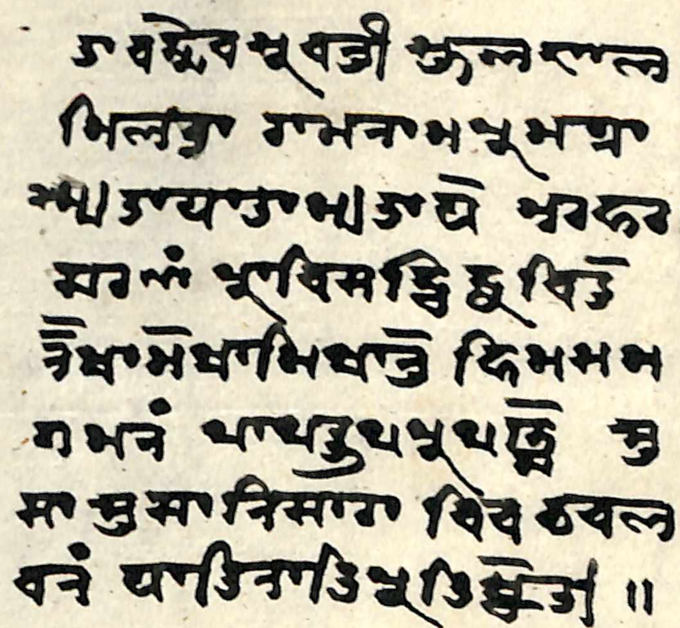




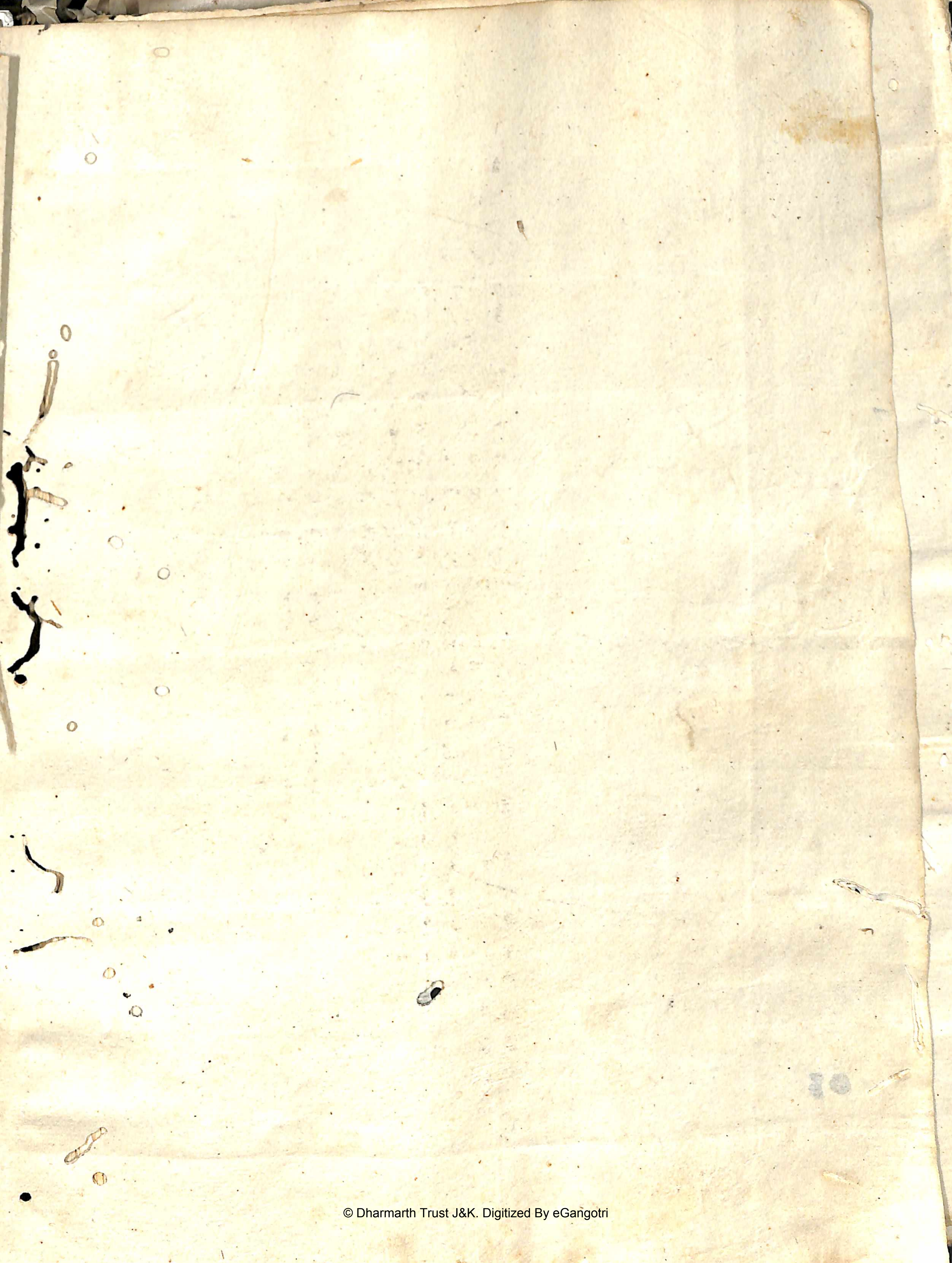












१७

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

37

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ने॰ भ॰
प॰ ली॰
३१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३०॥

[illegible]

[illegible]

यत्रपंकं... [illegible] ... । अस्त्रविमिश्रः पूर्वकस्य
... निवेशयस्य ... भवति ... तः प्र
नलापश्चापत्र ... समेनैः समेनैः [illegible]
... [illegible] ... नलकेनैन नलं ... ॥ ८१ ॥
[illegible] ... ममभयः ... [illegible]
... [illegible] ... समध्यः ॥
... [illegible] ... यस्य ... [illegible]
... [illegible] ...
नं नल ... [illegible] ... भयः ... [illegible]
कल ... [illegible] ...
नश्च ... नल ... [illegible]
... नल ... [illegible]
... [illegible] ... ॥ ८१ ॥ ... [illegible]
... [illegible] ...
... [illegible] ... ॥ ८
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...

नै.ध.
प.ली.
१०७

[illegible]

[illegible]

3 ॥

७ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ४ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ७ ॥

[illegible] ॥ ९ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

द्वितीयमध्यमः मातृकायां [illegible] प्रवं [illegible]
[illegible] मातृकायां [illegible]
[illegible] पुनः पुनः मातृका [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] मातृकायां [illegible]
[illegible] ॥ २८ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ २९ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

033

[illegible]

032

वमनं उपक्षे किञ्च पैदस्तुतिडजाधि वलात्वलपु
दृधिमझत्नः ॥ ५५ ॥ क्षीद्दतीनं भवम३ स्त्री
कितुमतभेव गिष्ठि भागतं भाभा वकतु भत्तवकु
नाटवे ॥ भू ॐ निवश्चः भकुवासिकावे ॥ ति
नीमानं भवभः भुवूनाकणतभाभा इसत्रभ
वर्णतुषिंसनीकि इभेवेभि स्टगौ भीटत्रः की
ध्नमंश्चः भुक्षु ॐ वमकानि भंम्नमाद्दृ ॐ नि
वतुः कुवले वकृन गुमवेलावकतु भौ ॥ ५५ ॥
विभुतं भुत्रवती भपट्ट निविसुतभामनथु
क्रितं किभा यात्रुत्तनः वलिना विपेय भे
वालो चुयीख्य सुनकुविरी ॥ निपक्षुत्रलएए
वैव मजे विभुत्तभिटत्रः उभविसुतभा गुभनं
किरजे यनैड्रुत्त भावलिनावलवतीपि
वेया वलवद्दात्तुभिनमा भेवभिद्रुत्त
भपिक मीसिषिएएतावनी ॥ ५८ ॥ कलु
॥ कलुणनित्तवन्द्र कानि कल्हितुभं भितुभ
नणविलव मलंबिलधुनभिंरभवीयभभ
कल्तय कल्तत्वयुगभि ॥ वैकलु ॥ ३
जवकीभलतूमनि निवभयननिक ख्रिताम
भितुभहृजल कल्हितुभं मझिमेयनकाख्रि
भिटमित मल्लधुमवतनाविलधुनालभा ॥ ५७ ॥
वकत्वनुमपाले मनेभवीयपं भिंरमा ॥
॥
वहूया

033

[illegible]

।मेवगिरः पल्लवनं धपाल्लनभफल्लाभवं म गौ
विघोत्व ।विनमकरुणं मुल्दंभनं दवंडम वसक्ति
वर्णमिदः ॥ ३ ॥ यच्च कबेपं भयिवलुपद्मुशिके
पनुधहाभमकेडिकेडिम न्भें भभमंधहवक्न
भवबेः पत्तेविपडं पल्लघुम्मन्नदमी ॥ भवि
दुडजलनम्रेरहरपत्नि ः कुमपयिपहुभभ
कोड केडिम विंदुपीडमकवडि ५ पं कुमनवगुव
घ जलुनभनविस्तुनेमंहवक ः कुमभिडि
मेम सुवबेः भरम हवनंकुं पम्भदम्मदी
नववपमेमम पधन्कमनमक्कवक्क हवनवंपह
भनविटुः ॥ ७ ॥ पमिलववनमवेहल्लं
जल्लंडडमे स्वस्कुवनभेमिसिडीडुः मम वम्नं
१मकेविमदवन पमम्गमवपहडगुपमेमघः ॥
नभकमवेकेडभक्त जलकवनेपिकेडभक
भरत्र भमजल्लंनेक्कल्ल मद्वीकेश्वरववनंभक
नित्रः रडगमिडी मेमिरिभवेर्डः ममनिमल्लं
गडक्वि पमम्यम्भ केवनंभकवलद्रड्डप मध्य
भ १ कुकत्नंविगडवन मंकेनकिमुलेभडः व
मघः पभुहितेवीड वल्हुडवयर्वेपभुहव
भिरनमेपनेपमम्महरुन्द ॥ ० ॥ ५ डिवगीरव
भवपनपीरिडवपनिवदुमेनमेवड कोरिद
मीकं भुडिवानिसवंभुडिमुमेगिरंडभलुडिमभु
डि ॥ ५ डेगिस्विटवनवपीडि जलनभमुक्ते दव

[illegible] किल [illegible] ॥ ७३ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ७८ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ७५ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

ने सं.
न. ती.
१०८

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ७ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ८ ॥

[illegible] ॥ ८ ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥ ८ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ।

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ७ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ०० ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ०० ॥

टीका ॥

[illegible]

श्लोकः ॥ ०० ॥

॥

न: सु: ०५

कृपिकू तुवमन्नवरु भमभ, धनयाधनयाधनयाधनया ।
३ भुतेन्न मयेन मऽभमने नवऽनवऽनवऽनवऽ ॥ ०३ ॥

कृपि कुतुवमं नवरु भमभा धनया धनया भुध नया भुधनया ॥
३ धउ भवमयेन मऽं भुमनैः भवऽनवऽ तुव वउ भनवऽ ॥

टीका ॥

कृपीउ या श्री कृपि भउ नवरु भमभा धनया धनया ।
भमा धनं भ नवम भम नवरु नवीन भाला ३प्तः भमा धनं भ
भयुभुद्य या याधना कालाउनुभवेन कालेन कुतु
वमं नयकुभभीयं नभुधनभुध योवन् कालविशेषे ऽ
उसेधः ध्रमः कीयमी या भुधनया भुधयाउ नये नीऽदधुः
भी भा भवनवऽ भकुउ भवमयेन भध्नऽभेन भक भुमनैः भी
भं यकुतुं यउ धिन ऽं नाधिकं तुव भुध कीयमेनानुमये
न तुभभनुयु भवऽनवऽ भवऽनवऽ ईउ नवऽनयग उ
न ३मनीभद्धन्न वउ येषु ॥ ०३ ॥

मूलं ॥

नउसो विवंउ भमभेन ल कु गउवेगउवे णउवे गउवे वमक
तु भवेयु यमधुभयावमे वमे वमे वमे ॥ ०७ ॥

मऽउः

नउसो विवं उभभेन लकूं गउवेगउवः भणउवे ।
वर कुतु भवेयु यभाभद्भ भयो भवे गव वमा गव वमे वमे ॥

टीका ॥

नउमऽशउ दे वव मुधु भणउवे दे धवउभधवियमं दं नउ
भ तुकू सद्य विवऽभउवं भउवः ईलवनामे यद् भीटऽः
कीयमधु उभभेन लकां उभभउवेक ऽनि नहाम
युक्काउ कृतः यवे गउवेगउवः भधुसयि वो वगउवः
गीउ वेगउवे यद् यभाधु भ मः भक वेणवकिउऽ उः भउ
म कुतुभवेयु भधु यमावमकयध यमा भद्भ भयो वमउ
भुमभेव मेयभेव वभेलक्ष्मी भिवम द्रीगु कमेभ भभ
भुभधभूद्य भीमन्नुउनयेनमेदभवः ॥ ०७ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥
[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥
[illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ॥ १२ ॥
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥ १३ ॥
[illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ॥ १४ ॥
[illegible] ॥

[illegible] ॥ २१ ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ २१ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥ २२ ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible] ॥ २२ ॥ ॥

श्लोकः

[illegible] ९६

[illegible] ॥ ९७

[illegible]

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

येलाशि ॥ ९७ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ ८० ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ८० ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ८१

पाठान्तरम् ॥

[illegible]
[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ८१ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ८२ ॥

३० ८० ९५ (margin numbers, uncertain)

[illegible] ॥ ५४ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥ ५३

[illegible]

टीका ॥

[illegible] ॥ ५३ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥ ५२

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ८० ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ८०

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ८० ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ८१ ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०३ ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ०३ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥ ०३ ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

॥ १०॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥१०॥

[illegible]

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ११॥

[illegible]
[illegible]

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥
[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible] ॥१२॥
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]

देव य समयत्ती प्रवं भ्रमाततभानो भ्रमा मनो नभवा
कनो भुवनभानो उथवनोति उपेरु भुवर देवाग् प्रेकरो ०
नलेन भुभा भक इति श्रीरं भुव भूथ भूमान्दे मेवभ्रकु
देभो भुवभः हृल्द्धवनं भक्षी वभलीगभा भुभा भक
भभीय मेर भवः ॥ ९५ ॥

श्लोकः ॥

ऊर्ध्वे हृल्लीनां भव विहरतु वने स मेहा ल्लीनाभा ॥ ९७ ॥
उत्कण्ठे हृल्लीनां इति सप्तमे उद्याश्रमे हृल्लीनां

ऊर्ध्वे हृल्लीनां भव विहरतु वने स मेहा ल्लीनाभा ॥
उत्कण्ठे हृल्लीनां इति सप्तमे उद्या भुश्रमे हृल्लीनाभा ॥

टीका ॥

ऊर्ध्वेति भवान्तरं उत्त उत्थितो मुरले उद्या मेहा समयन्तु स
धनः वन विहरतु वनविपं रभित धदीतिभा नलभव
भवत्तीति मेधः कीस्म स वने हृल्लीनां भ्रियितानां धेरे कौ
ते धनत्कण्ठे हृल्लीनां कवभामनां मल्लीनां शृङ्गनां उ
ति भरदं सप्तमे पवयति धनः हृल्लीनां वयः धर्मि
भेयभल्लीनां धङ्गीनभामदे भूतिभु भले मुलीभस्ता
वल्लीसाधि धद्यमकुभवालयः देवीकृतकिर्मकायभा
विहरतु भिडु मितिवेतीला विकल्पः भूतिभुभक्तनभाभदम
भा ॥ ९७ ॥

श्लोकः ॥

वेणवल्लभ्यापभितया वेणु वैभी युता ललाभापभितया ॥ ९७
नाथ भकल्ल्यापभितया फहृगी वाहुयाकिलाभापभितया

वेणवल्लभ्यापभितया वेणु वैभी युता ललाथ भाभितया
नाथ भकल्ल्यापभितया कहृ वगीनां वाहुयानां किल भधापभि ॥ उत्तमः ॥

टीका ॥

वेणेति वेणवल्लेन भथपभितया विभुतया भ्रूथपात भुभि
ता उथवेसनं भुषवा भाभिता विहभानतः यदैः भा उद्या
हृभितया भाभितया भुवभलया वेणु युता भक्तिता वैभी सम

[illegible]

[illegible] ॥ ९३ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ९७

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ९७ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥ ९० ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ १०॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ११॥

[illegible]

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ११॥ श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ १२॥

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ॥

॥

[illegible] ॥

॥

[illegible] ॥

॥

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३७ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible] ॥ ३ ॥

[illegible]
[illegible] ॥ ३ ॥

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

यावतभक्तेन इतामि मया तत्र इभक्तेन
भानिनिभक्तेन भूमीस्मरलु नाडु: वो भक्तेन
यावतभक्तेन इतु मामि मया तत्र इं भक्तेन
भानिनि भक्तं इन भूमीस मरलु नाडु: वो भक्तेन ॥

टीका: ॥

यावती मवेठे भीभाव तत्र भानिनि समयाति
यावतभक्तेन या: भिठे बनभक्ते बनकुभिभुतं
येन उल्हसेन भक्तेन भेदनासकेन मया इं इतामि
वभीतामि येन देवना भक्तं भूमीस भूमना तव मरलु
य मुप्ररलु य मुन्या: भूमुन्या लना: वो बार न भक्ते
ते नपुस्ते देसमयाति मलनावं विनामु मया न
भ्रितामि भग्न मरलु नाग्य मे भूमीस भक्तेन इति
भूतभ्रणयाभित्रह कश्लि लाति मरलं व्य कनमि
इति भव: नवानेमे भूमिभुसे भवुज वयाल्लि मु
हुतां भवनम्या भक्तेलु वे लुयो धीजिकेभ: भवु: व
मुभलिकरां भूते निषस्पुनासये: भवयवे धीजिकेभ: ॥३७

टीका: ॥

भभावनिमाथेतेन: भव मना निठिभूम वमाथेतेन
मेते माथेतेन जिइया भक्तेन मलमा माथेतेन ॥ ८

भभावनिमाथे ते न: भव मनान इ ठिभूम वमाथेतेन
मेते माथे तेन जिइया भभक्तेन मलमा माथेतेन ॥

टीका ॥

भभावी देभभावनिमाथे भ मेठनं भावं भभावं
उमेव निमाथ: मतु इव यहना भभावुनिमाथा उ
भ्रुत: भवैयने दे मेठनभावमतु उजव नेभना म
माना भव रुनीकि इहनेनभूकेमा भूम वक्ता ...

न०
म०
८१

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

टीका ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

॥ श्लोकः ॥

[illegible]

॥ टीका ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ५७ ॥

श्लोकः

[illegible]

[illegible] ॥ ५८

[illegible]

[illegible] ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ५८ ॥

इति [illegible] तृतीयस्सर्गः ॥ ३ ॥ इति

[illegible] तृतीयः सर्गः ॥ ३ ॥

न० स० ८३

ॐ नमः परमात्मने ॥

[illegible] ॥ १ ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

॥ १ ॥ श्लोकः ॥

[illegible] ॥ २ ॥

[illegible] ॥

टीका ॥

[illegible]

[illegible] ॥ १ ॥

श्लोकः ॥

[illegible] ॥ २ ॥

टीका ॥

[illegible] ॥ ३ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १८ ॥

श्लोकः ॥

[illegible]

[illegible] ॥ १५ ॥

[illegible] ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible] ॥ १५ ॥

[illegible]

श्लोकः ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

टीका ॥

[illegible]

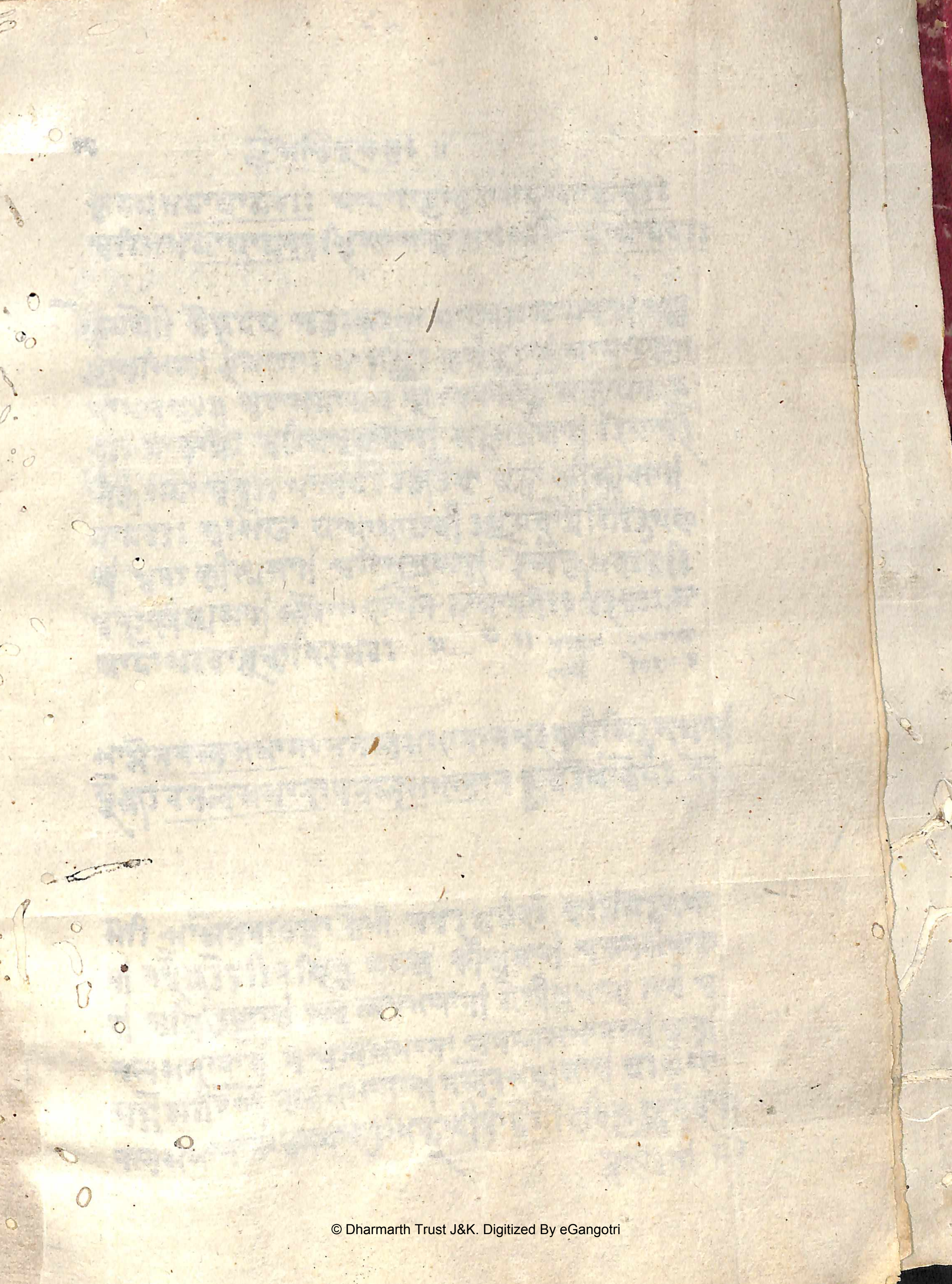
टीका ॥

[illegible]

[illegible]

इत्येवं नायकं पश्युत्य मात्य विमलनेश्य निर्मलनेश्य स
मेदन्य सवेलं भेव प्रतीभव सः तवान्वः के भक्तं इं स
कुर्भं रम स्तोके मितू तव मम वव स मेकः भेव ववताम
दृष्देडितवः इति मलनस्य स्थलेति इत्यस्य मयस्येति प
घम्यागविस्य सः मजुलाति यस्य गुणवलनेश भुवयैः म
नाथविहितभक्त स्तवने भयस्य नाकुस्य स्तवं भेव प्रेम
य सः तवान्वः कथंकृत्य विमलनेश्य विमलानि ने
इति घभिमता उमे सुहृत्पवनवामितः ॥ ८० ॥
श्लोकः ॥
उल्लसंतेव नयमानस्य
कतिपवनयमानस्य स्तवलानिति उल्लसंते नयमानस्य ॥ ८१
मेदनयमानस्य भूमिति भयानां भक्तः भनयमानस्य ॥
कतिपवनयमाना मस्य स्तवलानि इति उल्लसतः मत्तनयमानस्य ॥
मेदनां मयमानस्य भूमिति मयानां भक्तः भनयमानस्य ॥
टीका ॥
कतीति कतिपवनयमाना कतिविधः पवने वायुः यमे
पमदनन्त उना स्तवलान्तां समभक्ती म उल्लसतः मभीतं
वतः मत्तनयमानस्य भनयतः मेदनां भीतिः मय
भानस्य नाकुतः भनयमानस्य मेतनमीटकिमानेस्य
नलस्य भक्तः भूमिति भक्तं नमस्कारं कन्दनेन भक्त
नेन मयाना मकरन्दीगं तव वक्रपाभेदं मनयतः इति
कुलस्य भक्तः भक्तेतवकितितवः मयामिति मयानां :
लागि ॥ ८१ ॥ श्लोकः ॥
मेतनानामस्य
मुतिमेनन्नामस्य मितवकूलतेसु मेतनानामस्य ॥ ८२
प्रतिपननामस्य भुंकेषसेति: कन्दधननामसः स्तुः ॥
माध्मेनननामस्य मुमितवकूलते वसु मेतना न मसस्य
प्रतिपननामस्य मवेकयसेति: कन्दधि न मनामः स्तुः ॥
टीका ॥

[illegible] ॥ ७ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ८ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ९ ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निपीडनामिव भिद्धे मानेउ पभनूपवउभ। विषम:
वधधाभसयपाउ भिभानाभठिउगलउ। ॥ पउाक्षवलिउः

दूददौ दौददिदिदुद्ददी ३ उउ॥उउउ॥उउ। एक
तठेतीतठितुतनु ववाकिविवीवव: ॥ वाग्यन्त्रः

ससासिः सासुसूः सासो येयायेयाययाययः
ललौलीलां ललोऽलोलः शशीशशिशुशीः शशन्॥

३ ३

क्रूरारिकारी कोरैककारकः कारिकाकरः   द्व्यक्षरः
कोरकाकारकरकः करीरः कर्करोऽर्करुक् ॥

सारीसारमविद्वेषि सन्नुसद्वेद्विद्रुमसः   द्व्यक्षरः
द्रुसद्वेष्ट्विन्दुसदो दैत्यनद्भासरसी ॥

नीलेनानालनलिन निलीनेल्ललनानलिनः
ललनालालनेनाल्लमीलल्लोलेनलालिनः ॥

ससस्त्रुः सिरारेसी सस्त्रुस्त्रीर रससरसः
ससस रसिरः ससरूसैर रससरसस्त्रुरः ॥

भूघिभुभी भरैभरः भरिभुभी भरः भरैः
रैघैरभरै रभरि भभुरैभि भैरभरैः ॥

डुसिडि डारिडिडुरै डुडरैरडिरि डिर
डरीरेडिडिडिडुरै रडीरडि रिडिरिडः ॥

ससलससली सैरसले रलिसेलीसलैरसलः
रसलिसलरसे लसली ससल स्लसलह्लरः ॥

लेकु लेकी कले कल्कु कलिलेले कुलाल्ल कः
कल्ले कल्ले कल्लिः कल्ले केलिं के लि किलः किल ॥

वकै विवे वैगि विवगी वगिगगवः
क्विवत्ग वे वैं वीगेविगिविग्वः

मुवः सेगिवसिमिवैगसगसैगमुवगसिसः
मवग्कः मूीमगीगेसः मुमुवे सिमिवः मवेः ॥

बिठबी बिठबी कठो बिठठबी बिठु बिठी
ठबाठिकाबी ठाबाठे ठबाठबे ठुब बिठः ॥

दाददो दुद्ददुद्दादी दाददो दूददीददोः एकाक्षरः
दुद्दादं दददे दुद्दे दादाददददोऽददः ॥

न नोननुन्नो नुन्नोनो नाना नानानना ननु
नुन्नोऽनुन्नो ननुन्नेनो नानेना नुन्ननुन्ननुत् ॥ एकाक्षरः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥

यस्य यस्य भवद्यस्य धीनां यस्य यस्य भवलं निसा
यस्य यस्य भविष्य ध्वनु सम्यग्य भविष्ठितै वशा ॥

यस्मिन्नस्मिन्न भवद्विसं भक्त्युत्तं भक्त्युत्तं लक्षणा भयाति विकल्पत।
कल्पत लक्षणेन वक्ष्य स्थितं स्थितं भवज्ञ कितं भवत ॥

न दानैः परिपूतं मनस्थितीभाविभ्रमैः
न दानैः परिपूतं सम्यग् नगरी कथिः ॥

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

रणे समरङ्गाविरतः समृद्धे रणे समरङ्गाविरतः समृद्धेः
रणे समरङ्गाविरतः समृद्धे रणे समरङ्गाविरतः समृद्धेः ॥

सर्वतोभद्रम्

विक्रमभीषुः लगतीसमानञु विक्रमभीपुल्लगतीस
विक्रमभीपुल्लगतीसमानञु विक्रमभी (मानञुः
पुल्लगतीसमानञुः ॥

न गल न गल स्पयिता स्पयिता विगतं विगतं ललितं ललितं ।
भ्रमर भ्रमर सरता सरता सवालं सवालं समयान्समयान् ॥

प्रपल्लीः ॥

[illegible] ॥ सर्वलोम पुलिनो ॥
[illegible]
[illegible] ॥

[illegible] भवतोऽहं
[illegible] ॥

[illegible] भवतोऽहं
[illegible] ॥

𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆼𑆩𑆢𑆤𑆥𑆵𑆯𑇀𑆮𑆳𑆤𑆩𑆼𑆑𑆩𑆤𑆑𑆶𑆩𑆠
𑆝𑆩𑆑𑆤𑆩𑆑𑆩𑆼𑆤 𑆮𑆥𑆵𑆤𑆳𑆩𑆩𑆤𑆾𑆱𑆤 𑇅

𑇄 𑆯𑇀𑆫𑆪𑆳 𑆥𑆤𑆪𑆳 𑆤𑆩𑆶𑆤𑆪𑆳 𑆩𑆤𑆠𑆪𑆳 𑆝𑆪𑆳𑆂
𑆪𑆤𑆠𑆪𑆳 𑆝𑆠𑆩𑆳 𑆩𑆑𑆩𑆶𑆤𑆪𑆳 𑆤𑆩𑆪𑆳𑆱𑇀𑆠𑆶 𑇅

𑆤𑆴𑆱𑆴𑆠𑆳𑆩𑆴𑆫𑆼𑆠𑆼𑆟𑆵𑆑𑆴𑆾 𑆠𑆾𑆪𑆠𑆼 𑆩𑆫𑆟 𑆤𑆩𑆳
𑆩𑆤𑆾𑆫𑆼𑆤𑆮𑆴𑆫𑆼𑆥𑆵𑆤𑆯𑇀𑆮𑆳𑆟𑆩𑆼𑆟𑆫𑆑𑆠𑆶𑆠
𑆝𑆠𑆼𑆥𑆫𑆟𑆩𑆼𑆟𑆯𑇀𑆮𑆳𑆤𑆥𑆵𑆫𑆼𑆮𑆴𑆤𑆠𑆼𑆫𑆩𑆳
𑆩𑆤𑆟𑆫𑆩𑆠𑆾𑆪𑆠𑆼𑆑𑆾𑆟𑆵𑆠𑆼𑆫𑆩𑆠𑆳𑆱𑆴𑆤𑆴 𑇅

[illegible]

[illegible]

नै.ष.
२ ली.
१०७

[illegible]

ने षं
न ली
३३०

333

३८

३४८

[illegible]

११३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नै षं
म ली
१३८

[illegible]

[illegible]

नं ध०
द० ली०
५८३

नी ग्रं
म ली.
१९८

[illegible]

ज्ञ पं.
ग. ली.
९५०

हाकल॰॰सा भैधिममनूः खंनिल कहूकं पन्देसः
नदेवऽदे वभानेमिभानेमं न मला। मनला विहुउ
मनला। धम्मिकद्दे३३। नमला। ३म मलमधाइ
नऽदगः कदहुनो३स्हु जानिवक्तवं किंनाप
३ मधि३ मकव जानिवमा मेमेनख्विप विउ
नाम्प्रि३ कदे जानिवक्तवंविधिहुः उनधाषिम
हू, ३म, भामिट्टुहनो३उकलगा३ जानिवक्तव
गा३ं कलहु भामिहु कहु हुं ३भिलवैपैनक बा३वि
ष्टनिहु उ३ ग३नधिभु निवक्तवंहपउे इस्मुदं प
मम भऽनुः गहु जानिवक्तवभानेममिकं किमप
३देवक्कं विकन्य भनहुट्टं किमभि३ना३ वना। कीय
मेनाधुकेधः गन्धनामुवंचा३ं विसिद्धु भाकव॰भ
कोयेनसः ऽनुभूगि वनलहु पेल॰धोभि॰३ ह्गः
किंक्ड्ड सभक्कुमंनेधुपक्केमजडु नभयजीधू
भिलम॰॰हु कदहुकैः धूये मंने भहुहु पउे।
वेम का३हृभि३ऽवः कीमसः भना मनलः
भः भना मेवइंहहु भनुधकाहनेकमु हभा म
वेदिमेवह्यग्य३३ धवेदुमसको३ भविडनव
कं जानिवक्तवंकिंन्३वना। धर जानिवक्तवेन
धुगः ग३किंन्३वना। गन्धकाउं हाकल॰॰मधम
हं धेनगन्धमेधि मयगनवमिहे सभहुनं नैधप
मेमं गहू कहृम भुद्धियविमेधप्रकेउेः मनलः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वै ध.
रा ली.
४७०

११

[illegible]

[illegible]

धीषक्वध कृज्यथाभूवि भूत्वन्‌ यविधुमज्य
गभ्रुलेहः॥ सुद्धन्नयस्त्र मैत्रीधाउकिमाः स्त
स्र कृलेयवय्लेतु निमक्रमन्‌ गोत्सुन्ज भूज्या
प्रिलिङ्कं प्रभलेमायस्ल्व यथाकिमा प्रभलेय
य सविद्य समभ्यकनियडिभूयेस्लनवटा मह
पत्रीनेरधुल्लेहः भकृममामभूसूवनु यस्ल
भा मजेकियथे वसुभूयेस्लननियाडिभ्र मझनि
वकृज्ञमखः प्रभेपिभमुकनियुउयेभूधाउ
समस्त्रयउ॥ ०५॥ सुर्याक्रिउभ्गनभतेविभा
सवीनु पेउक्कुलिस्वउनयाभप्रिभक्तिमभ
उस्पुकूल्लिसभकक्रमनगेकिमकंवेभावली
मिवविल्लेकयिउमिकुमेः॥ उडभसुवन्धं भसु
गीनु भसुवन्धंऽर्वः भासुदः उभ्रंपूकुल्लिउ
सुणभडिः सुखुत्रंनीउं उमासुउपूसुउ कुल्लि
यनागसुयेभक हृदः भाण्वनाकि सुस्नु मेठ
यथाभउं यभनभसुमेसेउभवलीभवविल्ले
कयिउमिलल॥ ०८॥ गेवचनामलकला
धिमयधुमसुनियाभिउन्दिनिधनिधरकिभू
भ्रने उभिमत्रननभक्तनिविम निविमङ्कु य
मवनेवनाविकउत्तउलनि॥ गेवचननाभ
मेलभयुवभगुलभक्लिउ निक्कुमिउभेद्यनिवि
उभगाहिउगभ उभिम्वामवन शीधंभक्रुधंया

[illegible]

973

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

333

[illegible]

[illegible]

दे. भ.
स्तो.
११८

[illegible]

[illegible]

नाले सप्तनुवर्णैः सुखं सुखदुःखभयसेवाप्तानी
लसुखं च यथाविध कैवल्यसिद्धः सर्वं तत्त्वतः सर्व
तेषां च सुखदुःखभयं व्रतानि च यानि तानि च
तत्त्वतः सुखदुःखभयसेवा प्राप्तानि तानि
तेभ्यो जितानि च यतीनां तत्त्वतः ॥ २५ ॥ सुखि
हि सत्त्वगुणत्वात्तत्र नित्यं सुखितः भव
न्ति च तेषां कर्मफलं भुक्त्वा सकलं दुःखं
सुखं नित्यं यत्र भवन्ति येषां सुखं च
सुखिनः सर्वे निर्विकल्पं ब्रह्म सुखं च
न भिन्नं ये सर्वकर्मणां फलं भोक्तारः
सर्वकर्मत्यागिनः सकलं दुःखं सुखं भवतीति भव
न्ति तेषां कर्मफलं भुक्त्वा सुखं त्रिगुणं नित्यं यः
सुखं भुक्त्वा सर्वं तेषां सुखदुःखं भवति तेषां
च सकलं कर्म नित्यं सुखं ज्ञानिनां सुखं
कर्मभक्तं कल्पनया तत्र सुखं नित्यं सुखं
भवति नित्यं सुखं नित्यं भवति सर्वं कर्म च
भवति कर्मफलं न प्रयोजनं न भवति तत्त्व
ज्ञानवतः ॥ २६ ॥ सत्यं किं विषयभिमानं
यत्र विरक्तिः सुखं भवतीति
यत्र यत्र सुखं भवति बले सुखं
भिन्नत्वं ॥ तत्र सुखं भवति किं विषयं
भोक्तृ सुखं भवति तत्त्वं सुखं भवति स

गी० भ०
टी०
१७३

॥ १७ ॥

[illegible]

ने ध.
कु ली.
३०५

[illegible]

[illegible]

33

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नै ध.
मदली.
३३५

[illegible]

[illegible] ॥१९॥ [illegible]

[illegible] ॥२०॥ [illegible]

[illegible] ॥२१॥

[illegible]

नै॰ च॰
मल्ली॰
२२२

ने. सं.
पं. प्रती.
३५५

373

७०

[illegible]

[illegible]

33

[illegible]

333

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇅 [illegible] 𑇅 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇅 [illegible] 𑇅 𑆅𑆠𑆴 𑆯𑆿𑆫𑆵
[illegible] 𑇅 [illegible] 𑇅 𑇅

𑆎𑆀 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑇅

[illegible]
[illegible] 𑇅
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇅 [illegible] 𑇅 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

नै. ध.
भा. ली.
२७७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

803

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठं ।ण्वं भव इति सवेनभभा भः विद्युभान
मभक्तं विद्युभेनभुस्वे तत्त्वं विद्युभानकुभं
विद्युभानठंयं विद्युभेनाठिलभे विद्युभानवि
वउि। विद्युभानभमदं ईस्युसंरं भेठेभी भू
पत्रे॥ ७१॥ श्रीभेवयभमिवेबपत्रवभुवके
भनभिभक्तुभावोभः इड्डनिश्रुधभल्पसु भक्तुभा
श्रीउभावकउिभ भक्तं भनः॥ रबेयुल्लेहु पु
जैव य भदुवीये भनभिभक्तभावात्रुइनः ऽ
ऽः भुवं वधानंधभक्ककभेनभीरी भाउवल
ह्रुपजेव युक्तवाभक्तभ विश्वधंलहु कीनं
स्वभकं भनाधि येउलहु भावकिउ प्रवंभया
हृत्ये पत्रयभुया भक्तस्वप्रणिभ्रवकुवं भ
भेनाभवि सया त्रि भुभेल विभवुल्लहु भाय
भथः भान भंभं भुउि इं लहु भवं यभुहु लहु
उ क्रिभवजहभो भुमभभक भोउव भानभंल
लोउऽउिव॥ ७२॥ ऽ भुपलठउभकुलि
नूय भुविभुभनलो लहुउ हिलउभो ठं
मभभयुउ ध्रुभायभ भुभव इभवर्ुप भ
यभी॥ भनेठनाय्या भुभ्ये विभ्रष्टुउः वि
विउलाह्लि उलहु विभ्रभाहुरं ठेभीम
उवः भनलः ऽडुउभकेनाउये उपलठ
उ भुभभेठेभीयघाउ नलभनलाहुउ भाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥१०८॥

830

[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥

[illegible] ॥ १२ ॥

[illegible] ॥ १३ ॥

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥१००॥

[illegible]

[illegible]

१०५

[illegible]

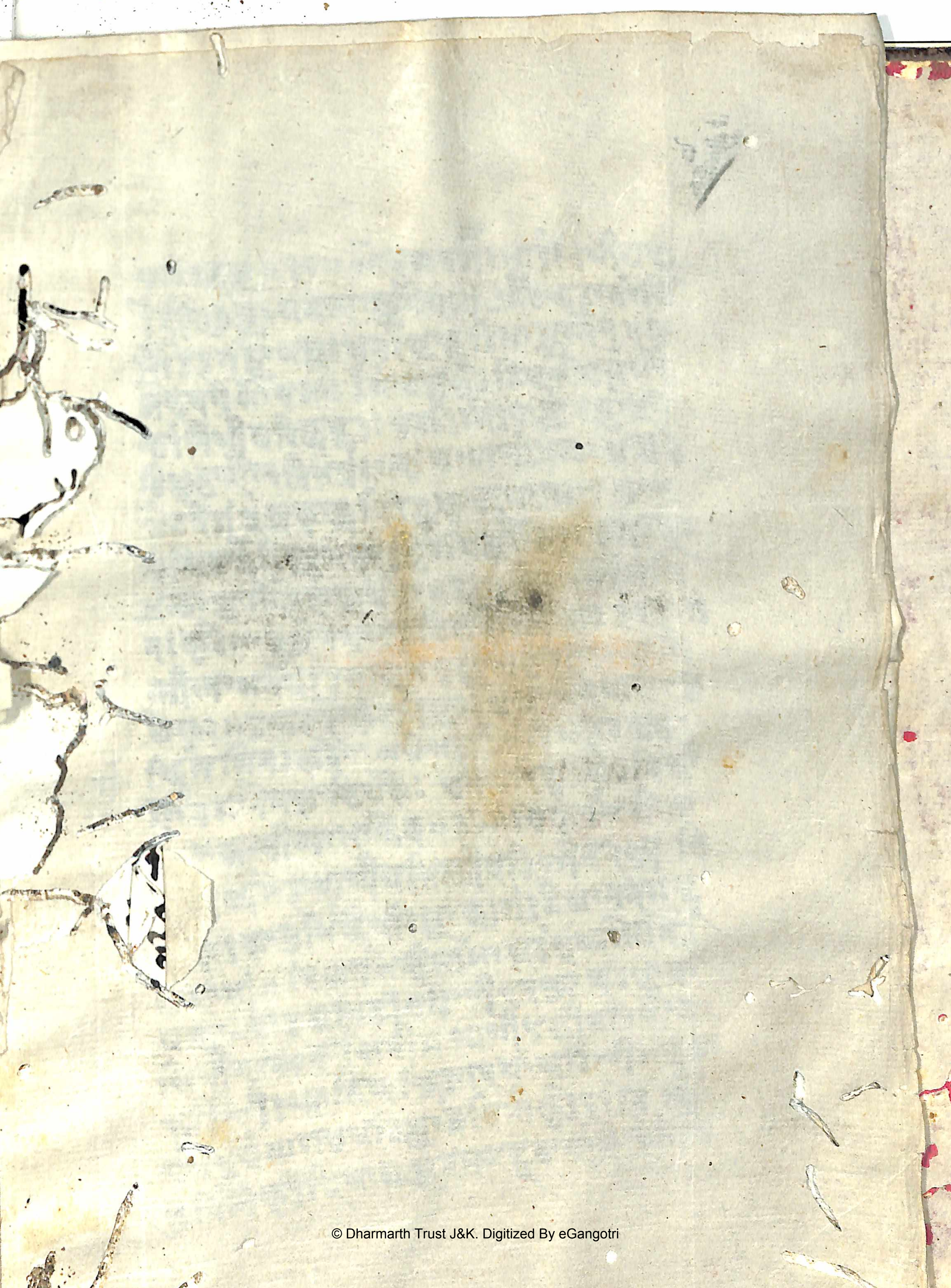
[illegible]

34

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

